

दरश दिखा दो ना कन्हैया भजन लिरिक्स



दरश दिखा दो ना कन्हैया,
दरस दिखा दो ना,
कि जन्मों से आस लगी,
अब तुम चले आओ ना,
दरस दिखा दो ना गिरधारी,
दरस दिखा दो ना,
कि जन्मों से आस लगी,
अब तुम चले आओ ना।

तर्ज - हुस्न पहाड़ों का।

तुमको ही चाहूँ,
तुमको ही पूजूँ,
और किसी को ना,
इस दिल में बसाऊँ,
और किसी को ना,
इस मन में बसाऊँ,
शरण तिहारी हूँ कन्हैया,
शरण तिहारी हूँ,
कि जन्मों से आस लगी,
अब तुम चले आओ ना।

तुम हो अनाथ के,
नाथ गोसाईं,
दीनन के हो तुम,
सदा ही सहाई,
कष्टों को मिटा दो ना कन्हैया,
कष्टों को मिटादो ना,
कि जन्मों से आस लगी,
अब तुम चले आओ ना।

दरश दिखा दो ना कन्हैया,
दरस दिखा दो ना,
कि जन्मों से आस लगी,
अब तुम चले आओ ना,
दरस दिखा दो ना गिरधारी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के किसी भी डिवाइस पर मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



कि जन्मों से आस लगी,
अब तुम चले आओ ना।bd।

गायक / प्रेषक – भूपेन्द्र सिंह दंडोटिया ।
+919920247019
